हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 20 : जौनपुर, शनिवार 14 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

अमेठी के भी युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जरूर जीतेंगे : पीएम मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठी की स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा अमेठी मे सांसद खेल प्रतियोगिता–2023 के आयोजन के लिए उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि अमेठी के भी युवा खिलाड़ी आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मेडल जरूर जीतेंगे। अमेठी सांसद खेल प्रतियोगिता के समापन सत्र को वीडियो संदेश के जरिए पीएम संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा कि देश में खेलों के लिए ये महीना बड़ा शुभ है। हमारे खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स में मेडल की सेंचुरी लगा दी है। इन आयोजनों के बीच अमेठी के खिलाड़ियों ने भी खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। सांसद खेल–कूद प्रतियोगिता में शामिल हुए सभी खिलाड़ियों को वे बधाई देते हैं। इस प्रतियोगिता से आपको जो नई ऊर्जा और आत्मविश्वास मिला है, उसे आप भी महसूस करते होंगे, पूरे क्षेत्र के भी लोग महसूस करते होंगे। पीएम ने कहा कि बीते 25 दिनों में आपको जो अनुभव मिला है, वो आपके स्पोर्टिंग करियर की बहुत बड़ी पूंजी है। वे

आज हर उस व्यक्ति को भी बधाई देते हैं, जिसने शिक्षक की भूमिका में, निरीक्षक की भूमिका में, स्कूल एवं कॉलेज के प्रतिनिधि की भूमिका में, इस महा अभियान से जुड़कर इन युवा खिलाड़ियों को समर्थन एवं प्रोत्साहन दिया है। एक लाख से ज्यादा खिलाड़ियों का जुटना, वो भी इतने छोटे से एरिया में यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है और इसके लिए वह विशेष रूप से अमेठी की सांसद बहन स्मृति ईरानी को शुभकामना देते हैं, जिन्होंने इस आयोजन को इतना सफल बनाया।

प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों द्वारा चलाए जा रहे अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के सैकड़ों सांसदों ने अपने–अपने क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर समाज और देश के विकास का नया रास्ता तैयार किया है। इन प्रयासों का परिणाम देश को आने वाले वर्षों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। उन्हें विश्वास है कि अमेठी के भी युवा खिलाड़ी आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेडल जरूर जीतेंगे और इसमें इस प्रतियोगिता से मिला अनुभव भी बहुत काम आएगा। प्रधानमंत्री ने खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए आगे कहा कि जब कोई खिलाड़ी मैदान में उतरता है तो उसका सिर्फ एक ही लक्ष्य होता है वो कैसे खुद को, अपनी टीम को विजयी बनाए। आज पूरा देश खिलाड़ियों की तरह ही सोच रहा है। खिलाड़ी भी जब खेलते हैं तो राष्ट्र प्रथम की सोच रखते हैं। उस क्षण वो सब कुछ दांव पर लगाकर देश के लिए ही खेलते हैं, इस समय देश भी एक बड़ा लक्ष्य लेकर चल रहा है। भारत को विकसित बनाने में देश के हर जिले के हर नागरिक की भूमिका है। इसके लिए हर क्षेत्र को एक भाव, एक लक्ष्य और एक संकल्प से आगे बढ़ना पड़ेगा। इसी सोच से सरकार देश में युवाओं के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम और खेलो इंडिया गेम्स जैसी योजनाएं चला रही हैं। आज सैकड़ों एथलीट्स को टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के तहत देश विदेश में ट्रेनिंग और कोचिंग दिलाई जा रही है। इन प्लेयर्स को करोड़ों रूपये की सहायता दी जा रही है। खेलो इंडिया गेम्स के तहत भी 3 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों को 50 हजार रूपए महीने की मदद दी जा रही है। इससे वो अपनी ट्रेनिंग, डाइट, कोचिंग, किट, जरूरी इक्विपमेंट्स और अन्य खर्च पूरा कर पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि बदलते हुए आज के भारत में छोटे–छोटे शहरों के टेलेंट को खुलकर आगे आने का मौका मिल रहा है। अगर आज स्टार्ट अप्स में भारत का इतना नाम है, तो उसमें छोटे शहरों के स्टार्ट अप्स की बड़ी भूमिका है।

बीते वर्षों में आपने देखा होगा कि स्पोर्ट्स की दुनिया में छा जाने वाले बहुत सारे नाम, छोटे शहरों से ही निकलकर आए हैं। ये इसलिए हुआ है क्योंकि आज भारत में पूरी पारदर्शिता से युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। एशियन गेम्स में भी मेडल जीतने वाले एथलीट्स बहुत बड़े बड़े शहरों से नहीं आए हैं। इनमें से बहुत से खिलाड़ी छोटे–छोटे शहरों से ही हैं। उनकी प्रतिभा का सम्मान करते हुए हमने उन्हें हर संभव सुविधाएं दी हैं। उसका परिणाम इन एथलीट्स ने दिया है। हमारे उत्तर प्रदेश की अन्नू रानी, पारुल चौधरी के प्रदर्शन ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। इसी धरती ने देश को सुधा सिंह जैसी एथलीट भी दी हैं। हमें ऐसे ही टैलेंट को बाहर निकालकर, उसे निखारकर आगे बढ़ाना है। और ये श्सांसद खेल प्रतियोगिता इसका भी बहुत बड़ा माध्यम है।

जब तक नए शिक्षकों की ना हो नियुक्ति तब तक सेवानिवृत्त शिक्षकों की लें सेवाएं

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब तक नए शिक्षकों की नियुक्ति न हो जाए तब तक सेवानिवृत्त शिक्षकों

से ही सेवाएं ली जाएं। उन्हें एक फिक्स मानदेय दिया जाए। लोकभवन में मिशन रोजगार के अंतर्गत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 219 प्रधानाचार्यों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में माध्यमिक शिक्षा के कॉलेज नकल के अड्डे बन गए थे, जिनमें ठेके पर नकल कराई जाती थी। पिछले छह वर्षों में इसमें सुधार हुआ है। गत वर्ष माध्यमिक शिक्षा परिषद के द्वारा संपन्न हुई हाई स्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड की परीक्षा देश में एक नजीर बनी है। परिषद ने 15 दिन के अंदर 56 लाख विद्यार्थियों की नकल विहीन परीक्षा कराई और 15 दिन के अंदर ही परिणाम भी दे दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्य शिक्षण संस्थान की रीढ़ होते हैं। अगर प्रधानाचार्य अनुशासित रहकर कॉलेज में नई गतिविधियों और नवाचारों को बढ़ावा देते हैं तो उसके सार्थक परिणाम सामने आते हैं। प्रधानाचार्यों को विद्यालयों को रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र बनाकर अभिभावकों से संवाद करना चाहिए। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ–साथ देश–दुनिया और युवा कल्याण एवं महिला कल्याण से जुड़ी सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी देनी चाहिए। इससे विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ–साथ जागरुकता भी आती है और प्रधानाचार्य का कार्यकाल भी यादगार बनता है। योगी ने कहा कि यह वही उत्तर प्रदेश है, जहां पिछली सरकारों में सुरक्षा में सेंध लगती थी। प्रदेश के नागरिक अपने आपको सुरक्षित नहीं महसूस कर पाते थे। अव्यवस्था और अराजकता का वातावरण होता था। दंगे और भ्रष्टाचार यहां की पहचान थे। निवेशक प्रदेश छोड़कर जा रहे थे। हमारी सरकार ने जब सुरक्षित माहौल दिया तो प्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 38 लाख करोड़ रुपए का निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ। इससे एक करोड़ से ज्यादा युवाओं को नौकरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि विगत छह वर्ष में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हमारी सरकार 6 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने में सफल रही है। इसमें 164000 शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का केंद्र है। देश में सबसे ज्यादा आध्यात्मिक पर्यटन यहीं है, जिसमें भारी बढ़ोतरी हुई है। 2017 के पहले तक उत्तर प्रदेश में सिफ डेढ़ से दो करोड़ पर्यटक ही आते थे। आज यह संख्या बढ़कर एक वर्ष में 30 करोड़ पर्यटकों की हो चुकी है। प्रदेश में एक पर्यटक के आने से विभिन्न तरह के रोजगार सृजित होते हैं।

20–21 अक्टूबर को विधानसभा का विशेष सत्र अवैध : पंजाब के राज्यपाल

एजेन्सी

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के दफ्तर ने 20–21 अक्टूबर को होने वाले पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र को ष्अवैधष् और सत्र के दौरान किए जाने वाले किसी भी कामकाज को गैरकानूनी बताया है। पंजाब सरकार ने सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर विवाद पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए दो दिवसीय विधानसभा सत्र बुलाया है।

पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने नहर को पूरा करने के लिए कोई समाधान नहीं ढूंढने के लिए पंजाब सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी। इसने केंद्र को पंजाब में भूमि के उस हिस्से का सर्वे करने को कहा था जो परियोजना के लिए आवंटित किया गया है। पंजाब राजभवन द्वारा 12 अक्टूबर को विधानसभा सचिव को भेजे गए पत्र में 19–20 जून को विशेष सत्र आयोजित करने पर राज्यपाल द्वारा उठाई गई पहले की आपत्ति का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है, "कानूनी सलाह के आधार पर, राज्यपाल ने 24 जुलाई को बताया था कि इस तरह का सत्र बुलाना अवैध है, विधायिका की स्वीकृत प्रक्रियाओं और अभ्यास और संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है।" इसमें कहा गया कि सत्र के कामकाज का एजेंडा पूरा होने के बाद 22 मार्च को बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। संचार में कहा गया है, "अब इस नए मामले में भी श्16वीं पंजाब विधानसभा के चौथे बजट सत्र का एक विशेष सत्र बुलाने का सुझाव दिया गया है, यह चौथे सत्र की निरंतरता है, जिसे 20 जून को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था। यह और कुछ नहीं बल्कि बजट सत्र को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है, जिसे राज्यपाल ने 3 मार्च के लिए बुलाया था और जो 22 मार्च को कामकाज के एजेंडे के पूरा होने के बाद समाप्त हुआ था।

नर्सरी दाखिले पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, कोर्ट ने कहा-एससी हर चीज के लिए रामबाण नहीं

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी, जिसमें उपराज्यपाल को 2015 के उस विधेयक पर सहमति देने या वापस करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था, जिसमें नर्सरी दाखिले के लिए बच्चों की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव था। न्यायमूर्ति एसके कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि वह कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकते। पीठ ने कहा, क्या कानून बनाने के लिए कोई आदेश हो सकता है? क्या हम सरकार को विधेयक पेश करने का निर्देश दे सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट हर चीज के लिए रामबाण नहीं हो सकता। हाई कोर्ट ने 3 जुलाई को एनजीओ सोशल ज्यूरिस्ट द्वारा दायर एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया था,

जिसमें कहा गया था कि वह विधायी प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है और एलजी को दिल्ली स्कूल शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2015 को सहमति देने या इसे वापस करने का निर्देश दे सकता है। संगठन ने अधिवक्ता अशोक अग्रवाल के माध्यम से शीर्ष अदालत में अपील दायर कर कहा कि स्कूलों में नर्सरी दाखिले में स्क्रीनिंग प्रक्रिया पर प्रतिबंध लगाने वाला बाल–हितैषी विधेयक पिछले 7 वर्षों से केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच बिना किसी औचित्य और विरोध के लटका हुआ है। जनहित याचिका को खारिज करते हुए, दिल्ली हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए एक हाई कोर्ट के लिए राज्यपाल, जो एक संवैधानिक प्राधिकारी है, को मामलों में समय सीमा निर्धारित करने का निर्देश देना उचित नहीं है। जो पूरी तरह से उसके अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इससे पहले हाई कोर्ट ने कहा था इस अदालत की सुविचारित राय में, भले ही विधेयक सदन द्वारा पारित कर दिया गया हो, यह राज्यपाल के लिए हमेशा सहमत होने या विधेयक को सदन में वापस भेजने के लिए खुला है और इस अदालत को निर्देश देने वाला परमादेश रिट पारित नहीं करना चाहिए राज्यपाल कार्रवाई करें। हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील में कहा गया है कि यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि 2015 के विधेयक का मूल उद्देश्य निजी स्कूलों में नर्सरी प्रवेश में बच्चों को शोषण और अन्यायपूर्ण भेदभाव से बचाना है। इसमें कहा गया है कि देरी से विधेयक का उद्देश्य विफल हो गया, दिल्ली सरकार ने 2015 में ही विधानसभा द्वारा कानून पारित कर दिया था।

ओम बिरला को मिला दक्षिण कोरिया आने का न्योता

एजेन्सी

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को शुक्रवार को दक्षिण कोरियाई राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष किम जिन–प्यो से दक्षिण कोरिया आने का न्योता मिला। श्री बिरला ने जी 20 देशों के संसद अध्यक्षों के नौवें शिखर सम्मेलन–पी 20 की दौरान अलग से श्री किम के साथ एक मुलाकात की। श्री किम ने श्री बिरला को दक्षिण कोरिया आने का न्योता दिया ताकिदोनों देशों काआपसी सहयोग बढ़ सके। मुलाकात के दौरान बिरला ने भारत और दक्षिण कोरिया के मजबूत संबंधों का उल्लेख किया और कहा कि वर्ष 2023 में दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश राजनीति, व्यापार, निवेश, रक्षा, संस्कृति सहित कई क्षेत्रों में दोनों मजबूत साझेदार हैं।इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच परस्पर संपर्क भी सुदृढ़ हुए हैं। श्री बिरला ने कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच पारस्परिक और सांस्कृतिक सम्बन्धों का प्राचीन इतिहास रहा है। बौद्ध भिक्षुओं के लगातार भ्रमण और ज्ञान के आदान–प्रदान की समृद्ध परम्परा रही है। बैठक में कहा गया कि दोनों देशों के बीच संसदीय दौरों का नियमित आदान–प्रदान रहा है और भारत भविष्य में भी दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर है। श्री किम ने कहा कि भारत के साथ एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य पर काम करना चाहते हैं।कोरिया का भारत में निवेश बढ़ना मजबूत संबंधों का संकेत है। दोनों पक्षों ने इस पर सहमति जताई कि व्यापार की अभिवृद्धि में जो बाधाएं हैं उन्हें साथ मिलकर दूर करने के प्रयास करने होंगे।

क्या इजराइल का साथ देने से खराब होंगे भारत और अरब देशों के रिश्ते

एजेन्सी

नयी दिल्ली। हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमले के बाद कई देशों की राय सामने आती नजर आई। हमास के साथ जंग मामले में इजराइल का साथ भारत ने भी दिया। हालांकि, अरब देशों ने फिलिस्तीन का साथ दिया। ऐसे में सवाल है कि क्या इजराइल का साथ देने के कारण भारत के अरब देशों से रिश्ते खराब होंगे?आपको बता दें कि भारत के अरब देशों से रिश्ते खराब होंगे न ही चीन के बीआरआई का जवाब मानी जा रही इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) परियोजना पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। भारत मानता है कि हमास के हमले को अब दुनिया आतंकवाद के रूप में देख रही है। इसके अलावा मुस्लिम राजनीति पर असर रखने वाली ताकतें अब इजराइल व फिलिस्तीन के मामले में पहले जैसी तल्खी नहीं रखती। सरकारी सूत्र ने कहा कि हमास के साथ जंग में भारत ने बिना किसी की परवाह किए इस्राइल के साथ मजबूती से खड़ा रहने की घोषणा की है। इस सुर में न तो नरमी आएगी और न ही भारत अपने रुख में भविष्य में कोई बदलाव करने जा रहा है। जहां तक इस कड़े रुख के कारण अरब देशों से रिश्ते खराब की संभावना की बात है तो ऐसा नहीं होने जा रहा। सरकारी सूत्र ने कहा कि इस मामले में अब तक ईरान और तुर्की ही खुल कर फिलिस्तीन के पक्ष में है। खाड़ी देशों की मुख्य ताकत सऊदी अरब और यएई ने अब तक बीच का रास्ता अपनाया है। दोनों देश अपनी नई वैश्विक पहचान बनाने के लिए अपनी नीतियों में बड़ा बदलाव ला रहे हैं। इसी रणनीति के कारण सऊदी अरब और इस्राइल करीब आ रहे हैं। भारत ने लगातार चार दशक तक इजराइल की कीमत पर लगातार फिलिस्तीन का साथ दिया।

झारखंड हाईकोर्ट से हेमंत सोरेन को झटका

एजेन्सी

रांची। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने शुक्रवार को ईडी के समन के खिलाफ हेमंत सोरेन की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने अपनी दलील में कहा कि सीएम सोरेन ने समन का पहले ही उल्लंघन किया है। वे ईडी के किसी भी समन पर उपस्थित नहीं हुए। ऐसे में उनका समन को चुनौती देने का कोई औचित्य नहीं है, इसलिए उन्हें राहत नहीं दी जा सकती। ईडी की ओर से यह भी कहा गया कि प्रार्थी ने जो पीएमएलए एक्ट की धारा 50 और 60 को चुनौती दी है, उसे सुप्रीम कोर्ट विजय मदन लाल चौधरी के केस में डिसाइड कर चुका है। इसके तहत एजेंसी को समन और बयान लेने का अधिकार है। ऐसे में हाई कोर्ट इस मामले में कोई आदेश नहीं दे सकता। वहीं सीएम की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि सीएम के खिलाफ किसी तरह का कोई मामला दर्ज नहीं है। ऐसे में उन्हें ईडी द्वारा समन दिया जाना उचित नहीं है।

तेलंगाना में कांग्रेस को बड़ा झटका, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने छोड़ी पार्टी, लगाए यह आरोप

एजेन्सी

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले कांग्रेस को शुक्रवार को उस समय झटका लगा जब उसके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पोन्नाला लक्षमैया ने पार्टी के भीतर 'अन्यायपूर्ण माहौल होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना त्यागपत्र भेजा है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष का इस्तीफा पार्टी के लिए झटका माना जा रहा है। लक्षमैया ने अपने त्यागपत्र में आरोप लगाया कि जब तेलंगाना के पिछड़े वर्ग के 50 नेताओं का एक समूह इस वर्ग के वास्ते प्राथमिकता का अनुरोध करने के लिए दिल्ली गया था, तो उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेताओं से मिलने का भी अवसर नहीं दिया गया।लक्षमैया ने कहा कि यह उस राज्य के लिए शर्मिंदगी की बात है जो अपने आत्मसम्मान पर गर्व करता है। उन्होंने कहा, ''भारी मन से मैं पार्टी के साथ अपना जुड़ाव खत्म करने के अपने फैसले की घोषणा करता हूं। मैं एक ऐसे पड़ाव पर पहुंच गया हूं जहां मुझे लगता है कि मैं अब ऐसे अन्यायपूर्ण माहौल में नहीं रह सकता। मैं उन सभी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने वर्षों से मेरी विभिन्न पार्टी भूमिकाओं में मेरा समर्थन किया है। उनसे संबंधित व्हाट्सएप ग्रुप में इस त्यागपत्र को साझा किया गया है। अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री लक्ष्मैया से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। पार्टी से उनका इस्तीफा कांग्रेस के लिए एक झटका है जो 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के वास्ते अपने उम्मीदवारों की सूची की घोषणा करने की तैयारी कर रही है। लक्षमैया चार बार के विधायक हैं और अविभाजित आंध्र प्रदेश में 12 वर्ष तक मंत्री रहे। उन्होंने कांग्रेस में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया को लेकर नाखुशी जाहिर करते हुए कहा कि पार्टी की सदस्यता या पार्टी सदस्यों द्वारा किए गए योगदान का कोई सम्मान नहीं है। उनका कहना है, ''दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बाहरी परामर्श पर निर्भर हैं और अक्सर पार्ट की कार्यकर्ताओं की आवाज को सम्मान नहीं दिया जाता। लक्षमैया के अनुसार, अगर कांग्रेस के भीतर पिछड़े वर्गों के नेताओं को दोयम दर्जे का और महत्वहीन महसूस करवाया जाता है तो इससे न सिर्फ उनके आत्मसम्मान, बल्कि पार्टी की प्रतिष्ठा को भी आघात पहुंचता है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पिछड़े वर्ग के नेताओं को महत्व देती है और उन्हें अच्छे पद प्रदान करती है।

सम्पादकीय

आपदा को आमंत्रण

ज्यादा समय नहीं हुआ जब हालिया मानसून में अतिवृष्टि के चलते शिमला के लोग भयाक्रांत थे। लगातार भूस्खलन व कई इमारतों के धराशायी होने के वीडियो सारी दुनिया में वायरल हो रहे थे। तब अनुमान था कि राज्य के सत्ताधीश पर्यावरण संरक्षण व भूक्षरण को रोकने की दिशा में कोई दूरगामी पहल करेंगे। बढ़ती आबादी व निर्माण के बोझ से दबे शिमला को राहत देने के लिये दूरदृष्टि वाले फैसले लेंगे। लेकिन जब हालिया बारिश से उपजी आपदा के जख्म अभी सूखे भी नहीं हैं राज्य सरकार ने शिमला की हरित पट्टियों में नये निर्माण को हरी झंडी दे दी है। शिमला में अतिवृष्टि से हुई अभूतपूर्व तबाही के लगभग दो महीने बाद ही आश्चर्यजनक निर्णय लेते हुए हिमाचल मंत्रिमंडल ने राज्य की राजधानी में 17 संवेदनशील हरित पट्टियों के कुछ हिस्सों में नये निर्माण की राह खोल दी है। उल्लेखनीय है कि शिमला के बेहतर भविष्य के लिये दिसंबर, 2000 में इन क्षेत्रों में भवन निर्माण गतिविधियों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया था। खास बात यह कि इन 17 हरित पट्टियों को 'शिमला के फेफड़ों' की संज्ञा दी जाती है क्योंकि इससे शहर की आबोहवा की गुणवत्ता का संवर्धन होता रहा है। दरअसल, 414.36 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैली इस बेल्ट में निर्माण कार्यों पर इसलिये प्रतिबंध लगाया गया था ताकि पर्यावरण मित्र देवदार के वृक्षों का संरक्षण किया जा सके। शिमला के लोग नहीं भूले हैं कि इस मानसून में हुई अप्रत्याशित बारिश में इस शहर ने जीवनदायी एक हजार के करीब देवदार के वृक्षों को खोया है। यही वजह है कि 23 वर्ष के अंतराल के बाद इस शहर की हरित पट्टियों में आवासीय निर्माण के उद्देश्यों से अनुमति देने के निर्णय की आलोचना पर्यावरणवादी कर रहे हैं। उनका मानना है कि राज्य के सत्ताधीशों को ध्यान रखना चाहिए कि शहर के पर्यावरण संतुलन में योगदान देने वाली हरित पट्टियों के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ घातक साबित हो सकती है। जाहिर है 23 साल पहले जनसंख्या व निर्माण का दबाव कम होने तथा पर्यावरणीय स्थिति अनुकूल होने के बावजूद शहर के फेफड़ों का काम करने वाली हरित पट्टी में यदि निर्माण कार्य पर रोक लगायी गई थी तो वजह तार्किक थी। जिनका विचार अब निर्माण की अनुमति देते वक्त भी किया जाना जरूरी था। इसी मकसद से नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भी नये निर्माण पर रोक लगायी थी। लेकिन राजनीतिक–आर्थिक लाभ के लिये सत्ताधीशों ने पुराना फैसला बदल दिया। जाहिर है इस फैसले से पहले ही निर्माण के बोझ से चरमराई शिमला नगरी की चुनौतियों में वृद्धि ही होगी। हाल की बरसात में हुई तबाही के बाद भारत की अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थाओं ने खुलासा किया था कि देश के कई पर्वतीय शहर बढ़ती आबादी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं हैं। जिसके चलते उत्तराखंड में व्यापक भूस्खलन की आपदा जोशीमठ में नजर आई। इस तरह के आसन्न संकट वाले कई शहर हिमाचल में भी हैं। लेकिन राज्य मंत्रिमंडल ने इस चुनौती के बावजूद ग्रीन–बेल्ट क्षेत्र को निर्माण हेतु खोल दिया। जिसके लिये शिमला विकास योजना यानी एसडीपी में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, कहा जा रहा है कि उस क्षेत्र में निर्माण की अनुमति दी जाएगी जहां पेड़ नहीं होंगे। लेकिन पहले से इमारतों के भारी बोझ से दबे इलाकों में निर्माण से प्राचीन देवदार के जंगलों के लिये नया संकट पैदा हो सकता है। पर्यावरण कार्यकर्ता कह रहे हैं कि सरकार का यह निर्णय पर्यावरण विशेषज्ञों के उस दृष्टिकोण के विपरीत है जिसमें उन्होंने सूखते शंकुधारी वृक्षों को बचाने के लिये उपचारात्मक उपाय करने पर बल दिया था। दरअसल, शिमला विकास योजना में संशोधन को देश की शीर्ष अदालत से तीन मई को हरी झंडी मिलने के बाद राज्य की कैबिनेट ने 19 जून को इस फैसले को मंजूरी दे दी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सभी आपत्तियों का निराकरण होने तक एसडीपी में बदलाव को लागू नहीं किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि एनजीटी ने भी दिसंबर, 2017 में इन क्षेत्रों में नये निर्माण की अनुमति के प्रस्ताव पर रोक लगाई थी।

आशा पारेख का जायज सवाल

वैसे तो कोई अपनी कमाई से कितना अपने पास रखता है और कितना लोगों के बीच बांट देता है, यह पूरी तरह से उसका निजी निर्णय होता है, लेकिन जब कोई ऐसे विशिष्ट उपक्रम करता है जिसका लक्ष्य किसी व्यक्ति या समुदाय विशेष की स्थिति की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट करना हो तो इस तरह की उम्मीद करना नाहक नहीं कहलायेगा, कि इससे हुई कमाई का थोड़ा–बहुत हिस्सा उन लोगों तक पहुंचे, जिसे या जिन्हें केन्द्र में रखकर वह काम किया गया हो और उससे बड़ी आय या आर्थिक लाभ काम करने वाले को मिला हो।

इस बात का सन्दर्भ पिछले वर्ष विवेक अग्निहोत्री द्वारा कश्मीरी पंडितों के पलायन एवं उनकी तकलीफों पर बनाई गई फिल्म दी कश्मीर फाइल्स से जुड़ता है। बुधवार को बीते दिनों की सिने स्टार आशा पारेख द्वारा एक न्यूज चौनल के कार्यक्रम में दिये उस बयान से जुड़ता है, जिसमें उन्होंने पूछा कि इस फिल्म से अग्निहोत्री ने इतने पैसे कमा लिये पर उन्होंने कश्मीरी हिन्दुओं पर कितनी राशि खर्च की? इस फिल्म के बारे में कहा जाता है कि उसकी लागत 15–20 करोड़ रुपये मात्र थी जबकि उसने 400 करोड़ रुपए का लाभ कमाया। दो फिल्मफेयर, पद्मश्री एवं दादासाहेब फालके पुरस्कारों से सम्मानित 81 वर्षीया अदाकारा ने कहा कि उन्होंने फिल्म नहीं देखी है इसलिये वे उसके विवादास्पद पहलुओं पर कुछ नहीं कहेंगी। यह पूछने पर कि क्या ऐसी फिल्में बननी चाहिये, उन्होंने कहा कि अगर लोग देखना चाहते हैं तो बनती रहें। निर्माताओं का हिस्सा 200 करोड़ रुपये का अनुमान लगाते हुए उन्होंने सवाल किया कि जम्मू–कश्मीर में हिन्दू बगैर बिजली–पानी के रह रहे हैं पर क्या निर्देशक ने अपने लाभ से कुछ उनकी मदद की? यह फिल्म उसी समय विवाद में आ गई थी, जब माना गया था कि इसके निर्माण का उद्देश्य कश्मीरी पंडितों के खिलाफ आतंकवादियों का उत्पीड़न दिखलाते हुए हिन्दुओं की भावनाओं को भड़काना है जिससे भारतीय जनता पार्टी के साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का एजेंडा सधता हो। इसमें फिल्म को आंशिक सफलता भी मिली थी लेकिन लोगों को यह खेल समझ में आ चुका है क्योंकि इस फिल्म का स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रचार करते नजर आये थे। उन्होंने इस फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग कराई और मंत्रियों व पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर इसे देखा था। इतना ही नहीं, उन्होंने लोगों से इसे देखने की अपील भी की थी। इसके बाद आई दी केरला स्टोरी का भी राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास

भाजपा ने कर्नाटक के विधानसभा चुनाव के पहले किया था। छोटे पर्दे के सीरियलों से अपना निर्देशकीय कैरियर बनाने वाले अग्निहोत्री को हिन्दुवादी राजनैतिक सोच वाला व्यक्ति माना जाता है जिनकी फिल्मों का उद्देश्य अब भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिये फिल्में बनाकर जन समर्थन हासिल जुटाना रह गया है। इस फिल्म को नरगिस दत्त राष्ट्रीय एकता पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। यानी माना गया कि इस फिल्म से भारत की एकता मजबूत होती है। वास्तविकता तो यह है कि इसका उद्देश्य लोगों को जोड़ना नहीं वरन बांटना है। अग्निहोत्री की हाल ही में आई एक और मूवी श्दी वैक्सीन वॉरश कोरोना के दौरान भारत की कोविड निरोधी टीके बनने की कहानी है जिसमें यह बतलाने की कोशिश है कि देश आज जो खुली सांसें ले रहा है वह इन्हीं वैक्सीनों के कारण है और फिल्म में अप्रत्यक्ष रूप से इसका पूरा श्रेय नरेन्द्र मोदी की कार्यप्रणाली व दृष्टिकोण को दिया गया है। अग्निहोत्री किस तरह से इन भावनाओं के दोहन द्वारा आर्थिक लाभ कमाते हैं, उसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके बारे में एक अखबार ने प्रकाशित किया कि दी कश्मीर फाइल्स के माध्यम से विवेक एवं निर्माता के रूप में उनकी अभिनेत्री पत्नी पल्लवी जोशी ने मुंबई के वर्सोवा में करीब 20 करोड़ रुपये का एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। कुछ समय बाद उनके अपनी पत्नी के साथ बैंकॉक की खर्चीली यात्रा की तस्वीरों ने भी सनसनी फैलाई थी। लोगों ने तंज कसा था कि देश में हिंदू–मुस्लिम का झगड़ा लगाकर ये लोग विदेश में मौज–मस्ती कर रहे हैं। पल्लवी ने ही फिल्म दी कश्मीर फाइल्स में नायिका की भूमिका निभाई थी। महंगे घर खरीदने या विदेशों की सैर करने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है और न होनी चाहिये। ऐसा वे सारे करते हैं जो इस तरह से पैसे कमाते हैं, लेकिन आशा पारेख का सवाल अपनी जगह पर खड़ा है और इसलिये जायज है कि वे ऐसी फिल्में बनाने वाले की मंशा और प्रयोजन पर सवालिया निशान लगाती हैं। इस फिल्म को देखकर लोगों का कश्मीरी आतंकवादियों के बहाने मुस्लिमों के खिलाफ रोष बढ़ा था जो भाजपा के वोट बैंक को बढ़ाता है। आशा पारेख अत्यंत सम्मानित अभिनेत्री रही हैं जिनका बहुत सफल फिल्मी कैरियर रहा है और वे विवादों से हमेशा परे रही हैं। वे निर्विवाद रूप से हर मायने में एक सफल अदाकारा रही हैं जिन्हें जीवन में सब कुछ मिल चुका है जिन्हें कुछ और पाना नहीं बचता। इसलिये उन पर यह आरोप नहीं लग सकता कि उन्होंने कुछ पाने के लिये ऐसा बयान दिया है या यह कोई उनका पब्लिसिटी स्टंट है। उन्हें अब अपना कोई प्रचार नहीं करना है क्योंकि शोहरत की बुलन्दियों को वे काफी पहले छूकर उतर चुकी हैं। इसलिये विवेक अग्निहोत्री को उनकी बात का जवाब देना चाहिये। इस देश ने डेन्नी बॉयल को भी देखा है जिन्होंने मुंबई की झोपड़पट्टियों में रहने वालों के जीवन पर बनी अपनी मूवी स्लमडॉग मिलेनियर को मिले आस्कर पुरस्कार की राशि का एक हिस्सा बाल कलाकारों को दिया था।

राष्ट्र की उन्नति में शिक्षा,भाषा की भूमिका

संजीव ठाकुर

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैंस संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया हैस वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप हैस यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया हैस जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगीस मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा हैस शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती हैस शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है। शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और

विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैंस शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता पाया हैस वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती हैस पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया हैस यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया हैस शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया हैस हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है। दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है स राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय हैस भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए–नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है। दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें ,क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

मतदाता को बहुत सोच समझकर मतदान करना होगा

आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं एवं निर्णायक हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक सभ्यता का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि हम सभी ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच पांच राज्यों के चुनावों में हमें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो सकेगी? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों एवं उनके दागी उम्मीदवारों के पास नहीं है। किसी लोकतंत्र और उनके नुमाइंदों को देखकर इसका भान किया जा सकता है कि वहां के नागरिक, मौजूदा स्थिति में मतदाता, कितने समझदार और जिम्मेदार हैं।

ललित गर्ग

पांच राज्यों– मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उनकी तारीखों का भी ऐलान हो गया है, अब चुनावी बिगुल बज चुका है, राजनीतिक दल एवं उम्मीदावार मतदाताओं को रिझाने, लुभाने एवं अपने पक्ष में मतदान कराने के लिये तरह–तरह के दांवपेंच चलायेंगे, इन लुभावनी छटाओं के बीच एक दिन के राजा यानी मतदाता को सतर्क एवं सावधान होकर अपने मत का उपयोग करना होगा। चुनाव मतदाताओं के हाथ में एकमात्र लेकिन बहुत ही कारगर संवैधानिक अधिकार होता है, जिसके सहारे वे जनप्रतिनिधियों का ही नहीं राष्ट्र का भविष्य निर्धारित–निर्मित करते हैं। इसलिये वक्त की नजाकत को देखते हुए मतदाता किसी प्रलोभन में न आयें और देश–हित में सृजन करें। गरीब देश की टूटती सांसों को जीने की उम्मीद दें। भ्रष्टाचार में आकंठ लिप्त धमनियों में ईमानदारी एवं पारदर्शिता का संचार करें। इस वक्त सब–कुछ बाद में, पहले देश–हित की रक्षा और उसकी अस्मिता है, राष्ट्रीय एकता का लक्ष्य है। मतदाता इसी लक्ष्य से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को निर्णायक मोड़ दे सकेगा। मतदाता को जागरूक होकर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने में सहयोग करना होगा। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद–फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इसलिये पांच राज्यों में राजनीतिक दलों और मतदाताओं की ही नहीं, चुनाव आयोग की भी परीक्षा होगी। मतदाता की बड़ी जिम्मेदारी का यह एक दिन नये भारत–सशक्त भारत को निर्मित करने का आधार है। लेकिन विडम्बना ही है कि मतदाता अपने अमूल्य वोट को चंद चांदी के टुकड़ों में बेच देता हो, सम्प्रदाय–जाति के उन्माद में योग्य–अयोग्य की पहचान हो खो देता हो, वह मतदाता भला योग्य उम्मीदवार को कैसे विधायी सदनों में भेज पाएंगा? नये–नये नेतृत्व उभर रहे हैं लेकिन सभी ने देश–सेवा के स्थान पर स्व–सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं एवं निर्णायक हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक सभ्यता का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि हम सभी ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच पांच राज्यों के चुनावों में हमें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो सकेगी? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों एवं उनके दागी उम्मीदवारों के पास नहीं है। किसी लोकतंत्र और उनके नुमाइंदों को देखकर इसका भान किया जा सकता है कि वहां के नागरिक, मौजूदा स्थिति में मतदाता, कितने समझदार और जिम्मेदार हैं। इसी समझदारी का परिचय मतदाताओं को देना है। आधार उनके पास है ही। उन्होंने शासन देखा है, माहौल भोगा है, नीति एवं नियमों की अनदेखी देखी है, अपने जनप्रतिनिधियों को परखा भी है और विपक्षियों को करीब से जाना भी है। वे भलीभांति महसूस कर सकते हैं कि संवेदनशीलता एवं राष्ट्रहित की उम्मीद वे किन से कर सकते हैं, कौन उनका खुद का, उनके परिवार, समाज और राज्य का भला करने वाला है, किसके हाथ में शासन की बागडोर सौंपकर वे निश्चिंत हो सकते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिए बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री स्वयं एक नया रास्ता बनाने, लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने एवं चुनाव की खामियों को दूर करने की ठानी है, इसलिये एक नया सूरज तो उदित होगा। लेकिन यह नया सूरज उगाने में मतदाता ही योगभूत है। मतदाता को दूरगामी एवं परिपक्व होना होगा, प्रशिक्षित होना होगा, तभी लोकतंत्र सुदृढ़ हो पायेगा एवं चुनाव के महासंग्राम के नीर–क्षीर से सक्षम एवं ईमानदार जनप्रतिनिधि चुने जा सकेंगे। जबकि अनेक मतदाताओं को अपने हिताहित का ज्ञान नहीं है, इसलिये हित–साधक एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं दल का चुनाव नहीं कर पाते। मतदाता की यह गलती एवं गैर–जिम्मेदारी आजादी के अमृतकाल में विश्राम पाये, इसके लिये इन पांच राज्यों के चुनाव कसौटी के हैं। ये चुनाव इसलिये भी महत्वपूर्ण हैं कि इनको अगले लोकसभा चुनाव की पूर्वपीठिका के तौर पर देखा जा रहा है। इन पांच प्रदेशों से लोकसभा में 83 एवं राज्यसभा में 34 सांसद चुनकर आते हैं, ऐसे में कोई भी राजनीतिक दल इन चुनावों को हल्के में नहीं ले सकता। इन चुनावों के नतीजे आम–चुनाव के लिये हवा बनाने–बिगाड़ने का आधार होंगे, इसलिये राष्ट्रीय पार्टियां अपने तरकश सजाने लगी है। लेकिन मतदाता इस सजावटी माहौल में अपने विवेक एवं समझ को नये पंख एवं परिवेश दे, स्वयं की जिम्मेदारी को महसूस करें। खुद के होने का भान कराये। जान–बूझकर से तो कोई भी मतदाता गलती नहीं करता, पर बहकावे, प्रलोभन, जात–पात, मोहमुग्धता एवं अभाव में तो कभी–कभी अज्ञानतावश जनप्रतिनिधि चयन में उनसे गलती हो जाती है और गलत, अपराधी एवं अपरिपक्व जनप्रतिनिधि चुन लिये जाते हैं। यह गलती न हो, इसके लिए उन्हें अच्छी तरह सोच–विचार कर फैसला करना चाहिए। ऐसा करते समय यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि फिर पांच साल उन्हें यह कहने का नैतिक हक नहीं रहेगा कि उनका जनप्रतिनिधि या सरकार अच्छा नहीं कर रहे हैं। जनप्रतिनिधि और सरकार को कोसने वाले 35–40 प्रतिशत मतदाता हमारे बीच ऐसे भी हैं, जो मतदान ही नहीं करते। मतदान न करने की उनकी यह प्रवृत्ति भी लोकतंत्र की एक बड़ी विसंगति एवं कमजोरी का कारण है। पांच राज्यों की सरकारें चुनावों के चलते तमाम जनहित के फैसलों को टालती हैं या लोक–लुभावन फैसले लेती हैं। इससे सुशासन का स्वप्न धरा रह जाता है। भारतीय राजनीति के लिए यह एक गहरा संकट और चुनौती दोनों है। राष्ट्र में आज ईमानदारी एवं निष्पक्षता हर क्षेत्र में चाहिए, पर चूँकि अनेक गलत बातों की जड़ चुनाव है इसलिए पांच राज्यों के चुनावी कुंभ में व्याप्त विरोधाभासों एवं विसंगतियों को दूर किया जाना और इसके लिये मतदाता का जागरूक होना, नितांत अपेक्षित है। चुनाव लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है, यह एक यज्ञ होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का दुर्लभ अवसर है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन पांच राज्यों में जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम–दाम–दंड अपनाये जायेंगे। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बतायेगा, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश एवं प्रदेश एवं उसके नागरिक गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझते दिखाई देते। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि श्अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।

मिशन शक्ति जागरुकता रैली को डीएम व एसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मिशन शक्ति" के चतुर्थ चरण विशेष अभियान के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा,सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु आगामी शारदीय नवरात्र के पर्व पर महिला पुलिस कर्मियों, डायल–112 तथा महिलाओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गयी । उक्त जागरूकता रैली को जिलाधिकारी अनुज कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ रवाना किया गया । जागरूकता रैली पुलिस लाइन जौनपुर से प्रारम्भ होकर शहर में विभिन्न स्थानों पर होते हुये शाही किला पर समापन हुआ । मिशन शक्ति चतुर्थ चरण के तहत निकाली गयी जागरूकता रैली के माध्यम से बालिकाओं तथा महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन व उनके अधिकारों के सम्बन्ध में जागरूक किया गया ।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा आज मिशन शक्ति के तहत चौथे चरण को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम को शुभारंभ किया गया है रैली पुलिस लाइन से चलकर शाही किले पर समाप्त होगी जहां जनप्रतिनिधि द्वारा भी इसे संबोधित किया जाएगा इसी क्रम में जनपद में भी हम लोगों द्वारा महिलाओं को जागरूक करने व उनके हितों की सुरक्षा करने सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला सुरक्षा के बारे में व अन्य तमाम तरह की महिलाओं के स्कीम के संबंध में जानकारी दिया जाएगा साथ ही नवरात्र व अन्य त्योहारों के के साथ–साथ महिलाओं की सुरक्षा संबंधी बालिकाओं की तमाम योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा ।

मुख्यमंत्री द्वारा आज कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं जिसका सीधा प्रसारण जिले में भी देखा जाएगा।

कार्यक्रम में सम्मानित जन–प्रतिनिधिगण व जनपद की सम्मानित जनता उपस्थित रहें।

कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज एंव लेट्स गिव होप फाउन्डेशन के सहयोग से प्रतिभा सम्मान प्रज्ञानम

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज आलमबाग लखनऊ द्वारा अक्टूबर 2023 को बृजवासी लॉन ,आशियाना लखनऊ में लेट्स गिव होप फाउन्डेशन के सहयोग से महाविद्यालय के वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह श्प्रज्ञानम्श का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ, विश्वविद्यालय ,विशिष्ट अतिथि के रूप में मनीषा सिंह अपर पुलिस उपायुक्त लखनऊ सेन्ट्रल,प्रो बी एल शर्मा,सहायक निदेशक उच्च शिक्षा निदेशालय प्रयागराज ,स्क्वाड्रन लीडर अभय प्रताप सिंह संयुक्त सचिव ,भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद , उपस्थित रहे। प्राचार्या प्रो सारिका दुबे ने सभी सम्मानित अतिथियों को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह प्रदान कर कार्यक्रम में उनका स्वागत किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सारिका दुबे ने अपने स्वागत अभिभाषण में अतिथियों का स्वागत करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण कार्यों विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन में .| दिलाना, छम्द, 2020 को लागू करना ,तथा उनके द्वारा विश्वविद्यालय के लिए किए जा रहे एकेडमिक कल्चरल इनीशिएटिव से सभी को अवगत कराया तथा सभी विशिष्ट अतिथियों का इस कार्यक्रम में आने के लिए आभार व्यक्त किया। मैम ने अपने उद्बोधन में महाविद्यालय की बेस्ट प्रैक्टिसेस के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि महाविद्यालय द्वारा सत्र 2023–24 में कई प्रकार के एनरिचमेंट कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। जिसमें हिंदी विभाग की डॉ अमिता यादव द्वारा श्भारतीय संस्कृति एवं रामकथाश, संस्कृत विभाग की श्रीमती मंजू द्वारा श्श्रीमद्भागवत गीता का निष्काम कर्मयोगश एवं महामहिम राज्यपाल के निर्देशों के अनुपालन के क्रम में शिक्षा विभाग की डॉ पूजा दुबे के द्वारा श्गर्भाधान संस्कार का वैज्ञानिक महत्त्वश आदि है। मैम ने बताया कि मेंटर–मेंटी योजना द्वारा श्सुपर फाइवश स्टूडेंट तैयार करने के लिए डॉक्टर सलोनी, डॉक्टर सत्या शुक्ला और डॉ कामना श्रीवास्तव द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के द्वारा बीए तृतीय वर्ष की प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छत्राओं क्रमशरू साधना यादव शिवानी शर्मा और अंशिका विश्वकर्मा को पदक तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । तथा शिक्षाशास्त्र विषय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सोनाली शर्मा को डॉक्टर मंजुला शुक्ला स्मृति छात्रवृत्ति प्रदान किया गया।कुलपति महोदाय ने छात्राओं को संबोधित करते हुए अपने संबोधन में दृष्टांत और कहानियों के माध्यम से छात्राओं को समझाया कि यदि आपका उद्देश्य और स्वप्न स्पष्ट है तो उसे प्राप्त करने से आपको कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने मार्क ट्वेन एवं पिकासो का उदाहरण देते हुए कहा कि आपको केवल ब्रश, कैन्वस और रंग, पिकासो नहीं बना सकते। आपको आपके गुरु और संस्था के प्रति विश्वास उत्कृष्टता के शिखर पर पहुंचाते हैं। उन्होंने छात्राओं में आत्मविश्वास का संचार करते हुए कहा कि आप स्वयं में अनूठी कृति है, आपको किसी जैसा नहीं, बल्कि अपना अलग व्यक्तित्व बनाना हैं।इस अवसर पर कुलपति महोदय तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों के द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका श्ललिताश के स्वर्ण जयंती विशेषांक तथा समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ निशी यादव की पुस्तक श्दलित विमर्शश का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि मनीषा सिंह ने श्लॉ ऑफ अट्रैक्शनश पर बात करते हुए सकारात्मक सोच द्वारा अपने बड़े उद्देश्य को प्राप्त करने की बात की तथा उन्होंने छात्राओं को सोशल मीडिया तथा टेक्नोलॉजी के दुरुपयोग और खतरे के प्रति आगाह करते हुए साइबर क्राइम के प्रति सचेत किया ।उन्होंने बीए द्वितीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बी एल शर्मा सर ने अपने वक्तव्य में छात्राओं को अपना बेस्ट वर्जन बनने के लिए प्रेरित करते हुए अन्य से तुलना से बचने और मेहनत को सफलता का एक मात्र मार्ग बताया। अन्य विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित स्क्वाड्रन लीडर अभय प्रताप सिंह ने बताया कि शिक्षा का उद्देश्य सूझ–बूझ विकसित करना है, वही सही गलत के निर्णय का विवेक देती है तथा उन्होंने मानसिक ताकत के महत्त्व को बताते हुए कहा कि यही आपको हर परिस्थिति का सामना करने की हिम्मत देती है।

इसके साथ ही राष्ट्रीय खेल दिवस में शतरंज, कैरम ,पोशम्पा, रूमाल–झपट्टा तथा श्कोड़ा जमाल खाए ,खेलों में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया तथा सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले सहयोगियों श्रीमती रीना त्रिपाठी (शिक्षिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता),नीता खन्ना, आशीष मौर्या, अभिषेक सिंह, तथा पूर्व प्राचार्या डॉ रम्भा सिंह,डॉ अनीता श्रीवास्तव और डॉ सुषमा मिश्रा को सम्मानित किया गया । तत्पश्चात लेट्स गिव होप की छात्राओं को उनके कौशल प्रशिक्षण के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।।कार्यक्रम का संचालन डॉ सलोनी और डॉ सत्या शुक्ला ने किया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

युवा व्यापारी उठाएंगे 21 बेटियों की डोली

संवाददाता

लखनऊ। लाटूस रोड स्थित लखनऊ व्यापार मंडल कार्यालय मे लखनऊ युवा व्यापार मंडल ने संगठन का विस्तार करते हुए नये पदाधिकारी माननीत किये। युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने बताया है की संगठन पूर्ण निष्ठा से व्यापारिक समस्याव के निस्तारण के साथ समाज की सेवा भी कर रहा है। दिसंबर माह तक संगठन मे युवा पदाधिकारी मनोनीत किये जाएंगे। वरिष्ठ महामंत्री सुमित गुप्ता,वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्वामी गौड़ ने अगले माह 25 नवम्बर को व्यापारी समाज के द्वारा होने वाले बिटिया विवाह उत्सव आयोजन की रूप रेखा तैयार की।

15 अक्टूबर से शुरु होगा छठवां विशाल गोकुल ग्राम मां नव दुर्गा पूजा महोत्सव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोकुल ग्राम कल्याण समिति के संयोजन में गोकुल ग्राम योजना प्रथम मुन्नूखेड़ा में शारदीय नवरात्रि 15 से 23 अक्टूबर तक गोकुलग्राम नवदुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। गोकुल ग्राम कल्याण समिति के अध्यक्ष धीरेंद्र तिवारी ने आमंत्रण पर देते हुए बताया कि 15 अक्टूबर को प्रातः काल मूर्ति एवं कलश स्थापना होगी।सायं भव्य झांकी नृत्य होगा। 16 अक्टूबर को नारायन पपेट ग्रुप द्वारा कठपुतली नृत्य होगा। 17 अक्टूबर को आवास विकास कॉलोनी की प्रतिभाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति की जाएगी। 18 अक्टूबर को कॉलोनी की प्रतिभाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति की जाएगी। 19 अक्टूबर को विभिन्न विधा के ओजस्वी कवियों द्वारा कवि सम्मेलन होगा। 20 अक्टूबर को विजय भोजपुरिया जागरण पार्टी द्वारा मां भगवती का जागरण किया जाएगा। 21 अक्टूबर को मशहूर जादूगर ए के चौबे द्वारा जादू का प्रदर्शन किया जाएगा। 22 अक्टूबर को डांडिया नृत्य होगा। 23 अक्टूबर को प्रातः काल हवन पूजन एवं कन्या भोज, सायंकाल पुरस्कार वितरण किया जाएगा। 24 अक्टूबर को मूर्ति विसर्जन, सायं काल रावण वध, उक्त कार्यक्रम के अवसर पर श्रद्धालुओं से उपस्थित रहने की अपील की गई है।

चेयरमैन नसरीन बानो ने फीता काटकर किया बाल रामलीला का शुभारंभ

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शाहाबाद नगर क्षेत्र के प्रसिद्ध बाल रामलीला चौक का शुभारंभ पालिका अध्यक्ष नसरीन बानो ने फीता काटकर किया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मेला शुभारंभ के बाद स्कूली बच्चों ने तमाम सांस्कृतिक एवं नृत्य कार्यक्रम पेश किए। इस मौके पर पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू भी मौजूद रहे। श्री बाल रामलीला नाट्य कला मंदिर द्वारा संचालित बाल रामलीला चौक का शुभारंभ खचाखच भरे रामलीला पंडाल के मध्य पालिका अध्यक्ष नसरीन बानो ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात संरक्षक मंडल ने भगवान श्री गणेश के समक्ष दीप प्रज्वलित कर मेला शुभारंभ की घोषणा की। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष नसरीन बानो ने मेला कमेटी को बधाई देते हुए मेला की प्रगति की कामना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू ने मेला कमेटी को पूर्ण सहयोग का शासन दिया। उन्होंने बताया आज वह जिस मंच पर खड़े हैं वह नगर पालिका की ओर से मेला कमेटी को दान की गई और आलीशान मंच भी उनके ही कार्यकाल में बनवाया गया। पूर्व विधायक ने बताया मेला कमेटी के लिए जितना भी सहयोग उनसे हो सकता था उन्होंने किया और भविष्य में भी मेला कमेटी के लोग उनसे जो भी आशा रखेंगे वह उसे पूरा करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा राम हमारे आदर्श हैं राम के चरित्र से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर कैरियर पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं ने मां सरस्वती की वंदना, डांडिया नृत्य पेश कर लोगों की वाहवाही बटोरी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद बस्ती जनपद के जलेबी गंज के रामलीला मंडल के कलाकारों ने नारद मोह लीला का सफल मंचन किया। देर रात तक रामलीला पंडाल में महिला और पुरुष दर्शकों की भीड़ जुटी रही। इस मौके पर मेला अध्यक्ष चौधरी उमेश गुप्ता, राजेश वर्मा, धीरू अवस्थी, अभय सिंह, बासु वर्मा, राजीव शर्मा सहित तमाम पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

फर्जी कागजात बनाकर बांग्लादेश से आए लोगों को भारत में बसाते थे आरोपी, यूपी एटीएस ने 3 को किया गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने 3 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। जबकि दो व्यक्तियों, 35 वर्षीय नाजीबुल शेख, 30 वर्षीय अबू हुरैयरा को बांग्लादेश और म्यांमार के अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने में मदद करने के लिए गिरफ्तार किया गया था, एक 22 वर्षीय आदिल उर रहमान को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। एटीएस ने कहा कि दोनों फर्जी और जाली दस्तावेजों के आधार पर प्रवासियों के लिए भारतीय पासपोर्ट तैयार करते थे। उनके कब्जे से फर्जी भारतीय दस्तावेजों पर बने पासपोर्ट, पैन कार्ड, आधार कार्ड और विदेशी सिम कार्ड भी बरामद किए गए। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, एटीएस ने कहा कि नाजीबुल और अबू फर्जी दस्तावेजों पर उत्तर प्रदेश में रह रहे थे और भारी रकम लेकर बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध प्रवासियों को भारत लाने में मदद करते थे। एटीएस के अतिरिक्त महानिदेशक मोहित अग्रवाल ने कहा कि अब तक की

प्रारंभिक जांच के आधार पर, उन्होंने नाजीबुल और अबू के बैंक खातों का विवरण प्राप्त कर लिया है। अधिकारी ने कहा कि दोनों ने पिछले तीन साल में 20 करोड़ रुपए हासिल किए हैं। एटीएस के सूत्रों ने बताया कि दोनों एक एनजीओ चला रहे थे और उन्हें यह पैसा दान के रूप में मिला था। उन्होंने कहा, ष्लेकिन यह विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 का उल्लंघन है। वित्तीय एजेंसियों को इसके बारे में सूचित कर दिया गया है। मामले की जांच की निगरानी कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने मुखबिर की सूचना पर सबसे पहले आदिल को गिरफ्तार किया था। एटीएस ने कहा कि आदिल को पकड़ लिया गया और उसने खुलासा किया कि वह मूल रूप से बांग्लादेश के मीरपुर का रहने वाला है और उसे सहारनपुर निवासी नाजीबुल और अबू ने प्रवेश में मदद की थी। बाद में दोनों के बारे में जानकारी मांगी गई तो सामने आया कि वे भी गैर यूपी के रहने वाले हैं और उनके दस्तावेज फर्जी हैं। दोनों ने यह भी खुलासा किया कि वे मानव तस्करी में शामिल थे और हाल ही में उन्होंने पेट्रोवा पॉल नाम की एक महिला को भारत में प्रवेश दिलाया था। एजेंसी महिला की तलाश कर रही है। एटीएस तीनों को शुक्रवार को अदालत में पेश कर गिरोह के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए उनकी रिमांड मांगेगी।

ट्रक के नीचे घुसी कार,दरवाजा काट कर निकाला शव

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ मेंशुक्रवार तड़के शहीद पथ पर एक ट्रक ने अचानक ब्रेक लगाया। फिर पीछे चल रही कार को भी ब्रेक लगाना पड़ा। इतने में कार को भी पीछे से एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में कार आगे वाली ट्रक में जा घुसी। कार सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने कार का दरवाजा काटकर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने घायल को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया है। विभूतिखंड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि सोनभद्र निवासी संतलाल और शिवनाथ शहीद पथ से बाराबंकी की तरफ जा रहे थे। शहीद पथ से कमता की तरफ जाते वक्त समिट बिल्डिंग के पास अचानक एक ट्रक ने ब्रेक लगा दी। कार चालक चालक कुछ समझता, उससे पहले पीछे से चल रहे ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। इससे कार ट्रक के नीचे घुस गई। कार सवार संतलाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ड्राइवर शिवनाथ गंभीर रूप से घायल हो गया। ड्राइव से मिले नंबर के आधार पर परिजनों को सूचना दे दी गई।

डिप्टी सीएम ने अपने नाम के आगे लगाया सर्वेंट ब्रजेश पाठक, बोले-जनता का नौकर होना मेरे लिए गर्व की बात

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा सर्वेंट डिप्टी सीएम बुलाने का मामला अब बढ़ता जा रहा है। अब डिप्टी सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने नाम के आगे सर्वेंट लगा लिया है। उन्होंने खुद को सर्वेंट ब्रजेश पाठक लिख लिया है। ब्रजेश पाठक का कहना है की जनता का नौकर होना उनके लिए गर्व की बात है। बता दें कि ब्रजेश पाठक ने बुधवार को अखिलेश यादव की एक तस्वीर पर तंज करते हुए कहा था कि वह कूदने में इतने अच्छे हैं तो एशियन गेम्स में जाकर मेडल लेना चाहिए। इस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम सर्वेंट डिप्टी सीएम की बातों का जवाब नहीं देते। दरअसल, जयप्रकाश नारायण की जयंती मनाने के लिए अखिलेश यादव समेत समाजवादी पार्टी के अन्य नेता जेपीएनआईसी पहुंचे थे। लेकिन जेपीएनआईसी के मेन गेट पर ताला जड़ा हुआ था. ताला बंद होने के कारण अखिलेश यादव जेपीएनआईसी का गेट फांदकर अंदर दाखिल हुए थे। इसी पर डिप्टी सीएम ने तंज कसा था। अखिलेश के तंज पर ब्रजेश पाठक ने एक बार फिर पलटवार करते हुए अपने नाम के आगे सर्वेंट ब्रजेश पाठक लगा लिया है। उन्होंने तंज भरे लहजे में उनका न केवल आभार जताया है बल्कि यह भी कहा कि मैं जनता की सेवा करता हूं जबकि अखिलेश यादव जी तो राजाओं की तरह व्यवहार करते हैं। इससे पहले एक वीडियो के जरिए डिप्टी सीएम ने कहा कि मैं अखिलेश यादव जी का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुझे सर्वेंट डिप्टी सीएम कहा है। यह सही है कि मैं जनता के सेवक के रूप में और नौकर के रूप में काम करता हूं। जबकि अखिलेश जी राजघरानों से आते हैं। राजा की तरह व्यवहार करते हैं। उनके पिता कई बार सीएम रहे हैं. वह खुद सीएम रहे हैं। मैं अखिलेश जी का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुझे सर्वेंट डिप्टी सीएम माना है. बहुत–बहुत आभार।

सीएम आवास का घेराव करने पहुंचे 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 69000 शिक्षक भर्ती का मामला अब तूल पकड़ ली है। 69000 शिक्षक भर्ती में नौकरी पाने के लिए आवेदक लगातार प्रदर्शन कर रहे है। इसी के चलते आज आवेदक अचानक मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंच गए। अभ्यर्थी चौराहे पर प्रदर्शन करने लगे और कुछ महिला अभ्यर्थी बैरिकेटिंग तक पहुंच गईं। इस मामले की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्टूडेंट्स को दूसरी जगह पहुंचा दिया। बता दें कि 69000 शिक्षक भर्ती में एक नंबर से नियुक्ति से वंचित रहे अभ्यर्थी काफी समय से प्रदर्शन कर रहे है। आज काफी संख्या में अभ्यर्थी सीएम से मिलने के लिए उनके आवास पहुंचे। रणनीति के तहत अभ्यर्थी पुलिस को चकमा देते हुए अलग अलग दिशा से आए। इसी बीच कुछ महिला अभ्यर्थी गेट के पास बैरिकेटिंग तक पहुंच गई। वहा उपस्थित महिला पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया और जबरदस्ती जीप में बैठाकर ईको गार्डेन पहुंचा दिया। इस दौरान अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया। सीएम आवास चौराहे से हटाने के बाद पुलिस ने उनकी बात सुनी और उन्हें सीएम से मुलाकात का आश्वासन दिया है। यह अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार उनके परिणाम में एक नंबर जोड़कर फिर से रिजल्ट जारी करने और नियुक्ति देने की मांग कर रहे हैं।

विदेशी नागरिक पर एफआईआर में धाराओं के दुरुपयोग का आरोप

संवाददाता

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने 11 अक्टूबर 2023 को मंडल आयुक्त कार्यालय गोरखपुर पर हो रहे धरने में एक फ्रेंच नागरिक हेराल्ड वैलेंटाइन के खिलाफ चौकी प्रभारी कलेक्ट्रेट अभिषेक सिंह द्वारा कैंट थाने में दर्ज कराए गए मुकदमे में प्रयोग की गई धारा पर सख्त आपत्ति की है.

डीजीपी यूपी को भेजी अपनी शिकायत में उन्होंने कहा है कि एफआईआर के अनुसार हेराल्ड वैलेंटाइन को धनबाद में बिजनेस हेतु वीजा जारी किया गया था जिनके शर्तों का उल्लंघन करते हुए वह गोरखपुर में एक राजनीतिक कार्यक्रम में सहभागिता कर रहा था, जो धारा 14ठ विदेशी अधिनियम 1946 का उल्लंघन है। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि धारा 14ठ कूट रचित पासपोर्ट के प्रयोग से संबंधित है जिसमें 2 से 8 वर्षों की सजा है, जबकि पासपोर्ट की शर्तों का उल्लंघन धारा 14 में दंडनीय जिसमें अधिकतम 5 वर्षों की सजा है।

इस प्रकार इस मामले में अधिक गंभीर धारा का प्रयोग किया गया दिखता है जो आपत्तिजनक है।अतः उन्होंने मामले की जांच करा कर दोषी अफसरों के खिलाफ कार्यवाही और विदेशी नागरिक को नियमानुसार राहत दिए जाने की मांग की है।

सचिवालय में 1 नवंबर से होगी बायोमैट्रिक हाजिरी, नहीं लगाई तो कटेगा वेतन

संवाददाता

लखनऊ। सचिवालय के सभी 93 विभागों के कर्मचारियों व अधिकारियों ने एक नवंबर से बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज न कराई तो उनका वेतन काटा जाएगा।

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने बायोमीट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही वेतन बनाए जाने के निर्देश जारी किए हैं। 15 जुलाई 2019 से बायोमेट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था लागू है लेकिन कोरोना महामारी के समय रजिस्टर पर हाजिरी दर्ज करने की व्यवस्था की गई।

फिलिस्तीन में मारे गए लोगों की लिए ईदगाह एवं आसिफी मस्जिद में नमाज के बाद विशेष दुआ

संवाददाता

लखनऊ। फिलिस्तीन में मारे गए लोगों की लिए राजधानी लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह में जुमे की नमाज के बाद विशेष दुआ पढ़ी गई। इस दौरान सुन्नी धर्मगुरु मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने ईदगाह में फिलिस्तीन के समर्थन में दुआ पढ़ाई। मौलाना ने कहा कि वहां के हालात चिंताजनक है शांति बहाली होनी चाहिए। हम वहां के लोगों के साथ खड़े हैं। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि फिलिस्तीन की सरजमीं पर लोगों ने कब्जा किया है। वहां हजारों नहीं सैकड़ों लोगों की जान गई है। महिलाओं और बच्चों को भी मारा जा रहा है। हमारे लोगों ने हमेशा फिलिस्तीन का समर्थन किया। महात्मा गांधी से लेकर आज तक की हुकूमतों ने भी फिलिस्तीन का समर्थन किया है। यूनाइटेड नेशन ने भी वहां के मानव अधिकार को लेकर के हक की बात कही थी।

मोहनलालगंज तहसील में अधिवक्ताओं और लेखपालों में मारपीट

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील में वकीलों और लेखपालों के बीच हुई मारपीट के मामले पुलिस ने लेखपाल की तहरीर पर वकीलों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अधिवक्ताओं के खिलाफ दर्ज हुए मुकदमे से अधिवक्ता आक्रोशित हैं। शुक्रवार सुबह तहसील के बार भवन में बैठक करने के बाद अधिवक्ता मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचे। अधिवक्ताओं ने पुलिस से क्रॉस मुकदमा दर्ज करने की मांग की। पुलिस ने इंकार किया तो अधिवक्ता धरने पर बैठ गए। कुछ ही देर में लेखपाल की तहरीर पर दर्ज हुए मुकदमे के मुख्य आरोपी और अधिवक्ता केपी यादव की हालत बिगड़ गई। जिसके बाद मोहनलालगंज कोतवाली में मेडिकल टीम को बुलाया गया। अधिवक्ता केपी यादव को कोतवाली के अन्दर ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा है। लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील में तैनात लेखपाल और वकीलों के बीच मारपीट हो गई। वकीलों और लेखपालों के बीच हुई मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। लेखपाल संघ ने शुक्रवार को पूरे जिले हड़ताल करने का ऐलान किया है। वहीं अधिवक्ता भी न्यायिक कार्य से विरत पर है। घटना लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील की है। जहां गुरुवार को लेखपाल कक्ष में पहुंचे वकीलों से लेखपालों की बहस हो गई। देखते ही देखते लेखपालों और वकीलों के बीच हाथापाई होने लगी। मौके पर मौजूद अन्य लेखपालों को भी वकीलों ने पीट दिया।

लेखपाल दीपक द्विवेदी ने मोहनलालगंज कोतवाली में अधिवक्ता केपी यादव समेत सात के विरुद्ध 10 गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। अधिवक्ताओं ने भी लेखपालों के खिलाफ मारपीट करने की तहरीर दी है। लेखपाल दीपक द्विवेदी के मुताबिक गुरुवार को संपत्ति को आवासीय घोषित करने की फाइल में तत्काल रिपोर्ट लगवाने के लिए अधिवक्ता प्रदीप लेखपाल कक्ष में आए थे। जिसमें उनके द्वारा जांच के बाद रिपोर्ट लगाने की बात कही गई। इसके बाद अधिवक्ता आक्रोशित हो गए। मौके पर हंगामा बढ़ने लगा और कुछ ही देर में करीब आधा दर्जन अधिवक्ताओं ने लेखपालों को पीट दिया। विवाद बढ़ने के बाद तहसील कर्मचारियों ने काम– काज बंद कर दिया। लेखपाल नारेबाजी करते हुए मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचकर अधिवक्ताओं के खिलाफ तहरीर दी। वहीं तहसील में हुए हंगामे के बाद अधिवक्ता भी लामबंद होकर नारेबाजी करने लगे। अधिवक्ताओं ने लेखपालों पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। अधिवक्ता केपी यादव के मुताबिक वह पत्रावलियों में रिपोर्ट लगवाने पहुंचे थे। तभी लेखपाल ने अभद्रता करनी शुरू कर दी।

प्राण फाउंडेशन द्वारा विद्यालय की मेधावी छात्रा को वितरित की गई छात्रवृत्ति

बीकापुर–अयोध्या। तारुन शिक्षा क्षेत्र के कम्पोजिट स्कूल दौदहा तारुन में प्राण फाउंडेशन द्वारा विद्यालय की मेधावी छात्रा प्रीति निषाद पुत्री राधेश्याम को छात्रवृत्ति की पहली धनराशि तीन हजार रुपया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी तारुन शैलजा मिश्रा एवं प्राण फाउंडेशन के संचालक विपिन पांडेय द्वारा वितरित की गई।

सर्वप्रथम माँ सरस्वती को पुष्प चढ़ा कर मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की शुरुआत की। खंड शिक्षा अधिकारी के संबोधन में बच्चों को शिक्षण में निरंतर कठिन परिश्रम करने को कहा गया। संस्था के संचालक विपिन पांडेय कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर व मेधावी छात्राओं को कक्षा 9 से 12 तक पढ़ाई के लिए प्रतिवर्ष संस्था द्वारा 5000 दिए जाते हैं। दो किस्तों में पहली किस्त 3000, दूसरी 2000 दी जाती है। अभी तक जिले में 50 छात्राएं चयनित की जा चुकी हैं। जिसमें 46 को पहली किस्त दे दी गई है। छात्रा ने पिछले वर्ष कक्षा 8 में आवेदन किया था। इनको आज पहली किस्त दी गई, दूसरी किस्त 2000 बाद में दी जाएगी। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। विद्यालय परिवार की तरफ से स्मृति चिन्ह देकर बीईओ को सम्मानित किया गया। चयनित छात्रा ने सफलता का श्रेय विद्यालय परिवार को दिया। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन नोडल शिक्षक शंकुल संतोष उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका चन्द्रवती गोस्वामी, अनिल कुमार यादव,अशोक वर्मा, बलराम, हनुमान, राजेश कुमार वर्मा, शिव कुमार सिंह, प्रधान विनय कुमार वर्मा एवं प्राण फाउंडेशन के सदस्य राम जी द्विवेदी, अंकित प्रभाकर एवं समस्त अभिभावकगण उपस्थित रहे।

विकास के समस्त कार्यो को शासन द्वारा निर्धारित समयावधि माह दिसम्बर 2023 तक पूर्ण करने के जिलाधिकारी ने दिये निर्देश ।

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि अयोध्या धाम में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के साथ यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन की बेहतर से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराए जाने के दृष्टिगत अयोध्या धाम तथा अयोध्या को जोड़ने वाले मार्गों के चौड़ीकरण एवं विस्तारीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। अयोध्या धाम तक हवाई यात्रा की सुविधा हेतु अयोध्या धाम में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, जिसका संचालन चालू कैलेंडर वर्ष में ही प्रारम्भ कर दिया जायेगा। इसी के साथ ही अयोध्या धाम तक उच्च स्तरीय रेल यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु रेलवे स्टेशनों का उच्चीकरण कर यात्री सुविधाओं का विकास भी तेजी से किया जा रहा है। अयोध्या धाम की प्राचीनतम, पौराणिकता को संरक्षित रखते हुये चरणबद्ध तरीके से अयोध्या के विभिन्न ऐतिहासिक एवं पौराणिक मठ–मंदिरों, आश्रमों, भवनों एवं कुंडों आदि को उनकी ऐतिहासिक वास्तुकलाओं को संजोनेदृसंवारने का कार्य चरणवद्ध तरीके से किया जा रहा है। इसी क्रम में शासन द्वारा स्वीकृत 84.24 करोड़ की लागत से 84 कोसी, 14 कोसी एवं पंचकोसी परिक्रमा मार्गों के समीपधकिनारे स्थित पर्यटन स्थलों यथा पौराणिक कुण्डों, आश्रमों आदि के पर्यटक विकासधनिर्माण एवं जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि 14 कोसी मार्ग के किनारे स्थित पर्यटन स्थलों यथा लक्ष्मीसागर कुंड, वैतरणी कुंड, निर्मल कुंड, गिरजा कुंड, विघ्नेश्वर नाथ शिव मंदिर एवं विभीषण कुंड के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास का कार्य किया जाना है। पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के किनारेध समीप स्थित पर्यटन स्थलों यथा सुग्रीव किला, अशर्फी भवन, छोटी देवकाली, नागेश्वर नाथ मंदिर, श्रेश्वर नाथ मंदिर, मुंडा शिवालय, दन्तधावन कुंड, प्रहलाद कुंड, जानकी कुण्ड, मोनी बाबा आश्रम, कौशल्या घाट, विद्या देवी कुंड, सीता कुंड, दशरथ कुंड के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं का विकास कार्य किया जाना है। इसी प्रकार जनपद अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित पर्यटन स्थलोंध्कुंडों एवं आश्रमों यथा दुधेश्वर कुण्ड (सीताकुंड),महर्षि वामदेव आश्रम, जन्मेजय कुंड, नरकुंड, महर्षि वेद व्यास गेट गौराघाट, महर्षि वामदेव आश्रम व तालाब, त्रिपुरारी कुंड, दशरथ समाधि स्थल, नंदीग्राम भरतकुंड, श्रवण कुमार आश्रम, आस्तिक आश्रम, ऋषि च्यवन आश्रम, मेधा ऋषि आश्रम, श्री बंधु बाबा आश्रम व महर्षि वामदेव आश्रम व तालाब के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास कार्य किया जाना है। जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में दंतधावनकुण्ड, सीताकुण्ड, विद्या देवी कुण्ड, गिरिजा कुण्ड, लक्ष्मी सागर कुण्ड, विभीषण कुण्ड, महर्षि वामदेव कुण्ड व आश्रम, जन्मेजय कुण्ड, दशरथ कुण्ड, दुग्धेश्वर कुण्ड (सीताकुण्ड), नन्दीग्राम भरतकुण्ड आदि पौराणिक स्थलों पर कार्य आरंभ भी हो चुका है। अयोध्या धाम में स्थित सूर्यकुण्ड, हनुमान कुण्ड, स्वर्णखनि कुण्ड एवं गणेश कुंड में कार्य पूर्ण भी हो चुका है, इन स्थलों पर सभा स्थल, छतरी, टायलेट, म्यूरलवाल, घाट एवं प्लेटफार्म, आटोवाटर फिल्ट्रेशन, बेंच, डस्टबिन, रैलिंग, साइनिज, लाइटिंग और पेयजल व्यवस्था आदि कार्य किया गया है, इन्ही कुंडों के तर्ज पर अन्य कुंडों को भी संजोने संवारने का कार्य चरण वद्ध रूप में किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने उक्त कार्यो की कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर दिलीप कुमार गोंड को उक्त समस्त कार्यो को शासन द्वारा निर्धारित समयावधि माह दिसम्बर 2023 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि समस्त कार्यो में गुणवत्ता एवं फिनिशिंग पर विशेष ध्यान दिया जाय।

पीएम आवास छज्जा विवाद पुलिस एवं तहसील प्रशासन के लिए बना सिरदर्द।

आठ दिन से लगातार कानूनी शिकंजे मे एक दुसरे केवल फसाने के चक्कर मे दो बार हुई मारपीट घटनाए खडा कर सकती हैं बडा विवाद।

सोहावल –अयोध्या। सोहावल तहसील रौनाही थाना क्षेत्र अंतर्गत लहरा पुर निवासी गीता देवी पत्नी देवनाथ को मिला पीएम आवास उसका निर्माणाधीन छज्जा विवादो में ढल कर रह गया है। नित नयी मारपीट की घटनाओं का अंजाम दे रही है। बीते बुधवार सुबह आवास का छज्जा बनाने वाले पक्ष द्वारा एक वर्षीय बालक की मापीट मे घायल होने की तहरीर ने स्थानीय पुलिस प्रशासन के लिए सिरदर्द बना दिया। कानून की लचरता कहें या आपसी जमीन का वर्चस्व की जंग विगत 6 अक्तूबर को शांतिभंग से शुरू हुई कार्यवाही पुलिस के चालान मे आधा दर्जन से अधिक को जेल भेजा। अभी मामले की जमानती प्रक्रिया हो ही रही थी इसी बीच तीसरे ही दिन सिर मे गंभीर रूप से चोटिल वृद्ध जयलाल का थाने मे पहुंच जान से मारने की तहरीर दी गयी। पुलिस ने अपना दायित्व निभाते हुए गीता देवी, आशीष कुमार, अमरनाथ सिद्ध नाथ, देवनाथ जूली विवेक, अमृत लाल, आठ नामजद तथा चार अज्ञात के विरूद्ध 147–148–149–504–452–323–307–506. जैसी गभीर धाराओ मे मुकदमा दर्ज कर राहत महसूस करते हुए जांच शुरू करती। इसी बीच पांचवे दिन बुधवार की सुबह आशीष कुमार पुत्र देवनाथ सिर मे चोट से घायल अपने एक वर्षीय पुत्र को थाना परिसर मे लेकर पहुचा। जिसने थाना प्रभारी ओ पी राय को हतप्रभ कर दिया। पीडित पिता का आरोप है कि जयलाल पुत्र हरि भजन, विजय कुमार ,दुर्गा प्रसाद, पुत्र गण जयलाल शालू पुत्री विजय कुमार, मंजू पत्नी भगवान दीन, द्वारा लाठी डंडो धारदार हथियार से लैस होकर घर पर धावा बोलने का आरोप लगाते हुए धार दार हथियार से एक वर्षीय बेटे को घायल करने से गंभीर चोटे विपक्षी द्वारा पहुंचाने की तहरीर दे डाली। अवाक थाना प्रभारी ने मामले की तहरीर लेते हुए घायल बालक को पहले इलाज कराने की सलाह देते हुए मातहत के साथ इलाज कराने के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। एक, सप्ताह मे हुए वर्चस्व की जंग मे छज्जा विवाद एक, तरफ बच्चो और बूढो को घटनाक्रम मे शामिल कर भविष्य मे दोनों पक्षो को किसी भी हद तक जाने का अंदेशा बनाती है। शाति भंग से लेकर मारपीट की दो दो घटनाओ ने पुलिस के लिए सिरदर्द बना दिया है। दिन प्रतिदिन एक पक्ष से वृद्ध तथा दूसरे पक्ष से एक मासूम को विवाद का निवाला बनाये जाने के बाद भी तहसील एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन समय रहते गर कोई कारगर कदम नही उठाता तो स्थिति कैसी होगी स्थानीय ग्रामीणो में चर्चा का विषय बनाता है।

धन्नीपुर में मस्जिद के निर्माण में अभी लगेगे छह माह

अयोध्या। जिले के सोहावल तहसील में धन्नीपुर गांव में उत्तर प्रदेश सुन्नी सेण्ट्रल वक्फ बोर्ड की ओर से मस्जिद का निर्माण शुरू करवाने में कम से कम छह माह और लग जाएंगे।मस्जिद की पुरानी डिजाइन में बदलाव कर दिया गया है। अब नए सिरे से नक्शा पास कराने के लिए आवेदन किया जाएगा।मस्जिद निर्माण शुरू होने में देरी की दूसरी वजह धन की कमी है। मस्जिद ट्रस्ट के अध्यक्ष जुफर अहमद फारुकी ने कहा कि धन के अभाव में मस्जिद निर्माण में देरी हुई है। समाज की मांग पर मस्जिद की डिजाइन व नाम में बदलाव किया गया है। उम्मीद है कि अब मस्जिद के लिए धन की कमी नहीं होगी, लोग खुलकर दान देंगे। छह महीने में काम शुरू होगा।अयोध्या के राम जन्मभूमि विवाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रदेश सरकार ने सोहावल तहसील के धन्नीपुर गांव में मस्जिद निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित की है। इंडो–इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन मस्जिद ट्रस्ट ने मस्जिद के नाम के साथ ही इसका डिजाइन भी बदल दिया है। मस्जिद ट्रस्ट के अध्यक्ष जुफर अहमद फारुकी ने बताया कि समाज की मांग पर मस्जिद की डिजाइन व नाम में बदलाव किया गया है। परिवर्तन के बाद अब तय हुआ है कि इसे मुहम्मद साहब के नाम पर बड़ी मस्जिद का रूप दिया जाए। मस्जिद का निर्माण समाज के चंदे से किया जाएगा। जल्द ही नया नक्शा पास कराकर काम तेज करेंगे। अगले कुछ दिनों में मस्जिद की नई डिजाइन फाइनल हो जाएगी।

अयोध्या से गुजरने वाली 10 ट्रेनों के रूट में रहेगा बदलाव

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के जौनपुर जंक्शन एवं जौनपुर सिटी रेलवे स्टेशन के मध्य कॉर्ड लाइन का निर्माण होने पर अयोध्या से होकर जाने वाली ट्रेनों को 17 अक्तूबर से 28 अक्तूबर तक यट में बदलाव किया गया है।रेलवे विभाग की ओर से जारी सूचना के मुताबिक ट्रेन नंबर– 14854, मरुधर एक्सप्रेस वाया लखनऊ – मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन होकर वाराणसी जाएगी। ट्रेन नंबर– 19167, अहमदाबाद – वाराणसी सिटी साबरमती एक्सप्रेस वाया लखनऊ –मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन होकर वाराणसी जंक्शन जाएगी। ट्रेन नंबर– 18104, अमृतसर – टाटानगर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस वाया लखनऊ –मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन से वाराणसी जंक्शन जाएगी। ट्रेन नंबर– 14018, रक्सौल– आनंद बिहार टर्मिनल सदभावना एक्सप्रेस वाया लखनऊ – मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ होकर वाराणसी जंक्शन जाएगी। ट्रेन नंबर– 13238, कोटा– पटना एक्सप्रेस लखनऊ– मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जक्शन से वाराणसी जंक्शन जाएगी। ट्रेन नंबर– 18103, टाटानगर– अमृतसर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस वाराणसी जंक्शन से मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन होकर लखनऊ जाएगी। ट्रेन नंबर– 19321, इंदौर– पटना एक्सप्रेस वाराणसी जंक्शन से मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ होकर लखनऊ जाएगी।

दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए घाटों की मार्किंग का कार्य शुरू।

कुलपति के निर्देश पर नोडल अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने घाटों का किया निरीक्षण, दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए 21 गठित समितियां हुई सक्रिय।

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा भव्य दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए राम की पैड़ी एवं चौधरी चरण सिंह के 51 घाटों की मार्किंग का कार्य शुरू कर दिया गया। विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के दिशा–निर्देशन में शुक्रवार को दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र, उपकुलसचिव दिनेश कुमार मौर्य, पूर्व दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा एवं अन्य शिक्षकों ने भौतिक सर्वेक्षण कर घाटों का नाप जोख शुरू कराया। इसके अतिरिक्त दोनों स्थलों के पांच भंडार गृह का भी निरीक्षण किया जिसमें दीपोत्सव से संबंधित सामग्री रखी जायेगी। उसकी साफ–सफाई एवं बिजली व्यवस्था दुरस्त रखने का संबंधित आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किया। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन के समन्वय से विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा 11 नवम्बर को दीपोत्सव भव्य बनाया जायेगा। राम की पैड़ी एवं चौधरी चरण सिंह के 51 घाटों का भौतिक सर्वेक्षण के साथ कर्मियों द्वारा मार्किंग को शुरू करने के लिए नाप जोख का कार्य शुरू कर दिया गया है। सभी घाटों के मार्किंग का जिम्मा विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव मो0 सहील को दिया गया है। इनकी देखरेख में विश्वविद्यालय के कर्मी मार्किंग का कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर लिए जायेंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन दीपोत्सव की तैयारियों को कुलपति द्वारा गठित 21 समितियों के माध्यम से अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि दोनों स्थलों के घाटों पर विश्वविद्यालय, सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं इण्टर कालेज के 25 हजार वालंटियर्स तैनात किए जायेंगे। इनकी मदद से 21 लाख से अधिक दीए प्रज्ज्वलित कर विश्व कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

पीएसी में आयोजित भव्य पदक अलंकरण समारोह में विजेताओं को मुख्य अतिथि डॉ मिश्र ने किया सम्मानित

अयोध्या। मीडिया सेल 34 वी बटालियन वी वाहिनी पीएसी बटालियन वाराणसी के मुताबिक वाराणसी के डॉ भीमराव अंबेडकर, क्रीड़ा संकुल, लालपुर, स्टेडियम में 34 वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के तत्वाधान में आयोजित, चार दिवसीय पीएसी पूर्वी जोन अंतर वाहिनी एथलेटिक्स प्रतियोगिता–2023 के भव्य समापन हुआ।इस मौके पर प्रतियोगिता के आयोजन सचिव रहे डॉ राजीव नारायण मिश्र, श्आईपीएसश, सेनानायक, 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी ने वाहिनी परिसर में स्थित बहुउद्देशीय हाल शपिनाक मण्डपमश में भव्य पदक अलंकरण समारोह का आयोजन कर प्रतियोगिता में उत्तम प्रदर्शन करने वाली टीमों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदकों से सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पीएसी पूर्वी जोन की विभिन्न 10 वाहिनियों से (4वीं वाहिनी, 12वीं, 20वी, 33वी, 34वी, 36वी, 37वी, 39वी, 42वी तथा 48वीं वाहिनी) से कुल 315 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का दर्शकों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथिध आयोजन सचिव, डॉ राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस, द्वारा समारोह के दौरान प्रतिभागियों के खेल भावनाओं की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी व विजयी टीमों एवं विजेता खिलाड़ियों को भव्यता पूर्वक पदकों से सम्मानित किया।इस मौके पर सैन्य सहायक शिव नारायण, शिविरपाल अजय प्रताप सिंह, दलनायक बृजेश राय, बदन यादव, सहायक शिविरपाल विंध्यवासिनी पांडेय, सूबेदार मेजर गोपाल जी दूबे, सहित सभी अधिकारीध्कर्मचारी, सभी टीमों के टीम मैनेजर्सध्कोच, बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व आमंत्रित अतिथिगण उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या ली अंतरिक्ष की जानकारी।

अयोध्या। ग्राम पंचायत पलिया लोहानी विकासखंड हैरिंगटनगंज के कंपोजिट विद्यालय में तैयार की गई अंतरिक्ष विज्ञान प्रयोगशाला में आयोजित 2 दिवसीय ष्ओरिएंटेशन सेशन प्रोग्रामष में मुख्य विकास अधिकारी, अनिता यादव द्वारा प्रतिभाग किया गया। अंतरिक्ष विज्ञान प्रयोगशाला प्रयोगशाला में विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित गतिविधियां तैयार की गई हैं इसरो रॉकेट एग्जिवेशन, रोबोटिक्स प्रैक्टिकल,टेलिस्कोपिक एग्जिवेशन,थ्री डी प्रिंटर प्रैक्टिकल, टिंकर कैड सॉफ्टवेयर,सेटेलाइट, 'चंद्रयान 3,पीएस एलवी, जी एस एल वी,और एम के 3 अप सभी तकनीक के बारे में उपस्थित परगत वरसाल, (यंग साइंटिस्ट)द्वारा सभी गतिविधियों की अधिकारी को जानकारी दी गई पलिया लोहानी स्पेस लैब में एस्ट्रोनॉमी प्रोजेक्ट किट,हेक्साकाप्टर ड्रोन किट,माइक्रोड्रोन एयरक्राफ्ट किट,सोलर एंड डीप स्काई आब्जर्वेशन टेलीस्कोप, प्रज्ञान स्केल माडल ग्रोवर, सेटेलाइट माडल सहित 42 संयंत्र उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रशिक्षक एवं संबंधित ग्राम प्रधान को उक्त स्पेस लैब में लगे हुए उपकरणों के संबंध में छोटी–छोटी वीडियो–ग्राफ एवं वॉइस नोट तैयार कर बच्चों को प्रशिक्षित करने हेतु निर्देशित किया साथ ही प्रशिक्षित हुए बच्चों से भी बातचीत कर जानकारी प्राप्त की!

उक्त केंद्र के माध्यम से केंद्र सरकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अनुरूप विद्यालय का विकास करने का प्रयास ग्राम पंचायत द्वारा प्रधानमंत्री जी के विजन स्पेस एजूकेशन के सपनों को साकार करने के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्पेस लैब स्थापित करके बच्चों को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार करने हेतु बढ़ावा देना है ! जिससे ग्रामीण प्रतिभाएं अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार करके अपनी पहचान बना सकें!

उक्त कार्यशाला में मुख्य रूप से जिला पंचायत राज अधिकारी, अखिलेश मिश्रा खंड विकास अधिकारी, जिला समन्वयक दीपक सेन एवं अविरल पाठक, अपर बेसिक शिक्षा अधिकारी, संबंधित ग्राम प्रधान श्री अभिषेक सिंह, अशोक तिवारी प्रधान संघ अध्यक्ष, संबंधित ग्राम सचिव, विद्यालय के हेड मास्टर एवं अध्यापक गण, खंड प्रेरक गजेंद्र एवं नितिन सिंह, विद्यालय के बच्चे एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे!!

रौनाही थाना परिसर में दुर्गा पूजा मूर्ति विसर्जन व दशहरा को लेकर पीस कमेटी की हुई बैठक।

अयोध्या। रौनाही थाना परिसर में दुर्गा पूजा मूर्ति विसर्जन व दशहरा को लेकर पीस कमेटी की हुई बैठक।उपजिलाधिकारी सोहावल मनोज श्रीवास्तव, सीओ सदर संदीप सिंह, रौनाही थाना प्रभारी ओम प्रकाश राय, खिरौनी नगर पंचायत के अधिशासी अभियंता सचिन कुमार चौधरी, सहित पी डब्लू डी विभाग के जेई व अन्य विभाग के अधिकारी की मौजूदगी में बैठक हुई सम्पन।शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौजूद लोगों से की गयी अपील।मूर्ति विसर्जन के दौरान शराब प्रेमियों को दी गयी हिदायत नशे में हुल्लड़ बाजी करना पड़ेगा महंगा की जायगी कानूनी कार्यवाही।डी जे पर अश्लील गाने व अधिक आवाज में साउंड बजाने पर डीजे जब्त कर लिखी जाएगी एफ आई आर।

गोमती नगर जनकल्याण महासमिति

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर जनकल्याण महासमिति लखनऊ के सौजन्य से पितृ विसर्जन दिवस पर आज दिनांक 14अक्टूबर 2023 दिन शनिवार को 1.00 बजे से खत्री भवन विनीत खंड गोमती नगर लखनऊ में प्रसाद वितरण की शुरुआत की गई । इस कार्यक्रम का शुभारंभ महासमिति के अध्यक्ष डॉ बी एन सिंह एवं महासचिव डॉ राघवेन्द्र शुक्ल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने प्रसाद पाया एवं महासमिति के समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सी जी नायर, कर्नल ए एन पांडे, आलोक मिश्रा, आर डी मौर्य, के के मौर्य, पी आर पांडे, राकेश त्यागी, डॉ पशुपतिनाथ पांडे, अभिनव शुक्ला, भानु प्रताप सिंह, वारिस अली खान, सुमित, अमन, नंदिनी मिश्रा, मनोज मिश्रा आशीष कुमार, नफीस अहमद सेवा प्रमुख, अजय तिवारी आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

चौरासी करोड़ की लागत से हो रहा है पौराणिक कुंडो व आश्रमों का जीणोद्धार।

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि 84.24 करोड़ की लागत से 84 कोसी, 14 कोसी एवं पंचकोसी परिक्रमा मार्गों के निकट स्थित पौराणिक कुण्डों, आश्रमों आदि के पर्यटक विकास का निर्माण एवं जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर है।उन्होंने बताया कि 14 कोसी मार्ग के किनारे स्थित पर्यटन स्थलों लक्ष्मीसागर कुंड, वैतरणी कुंड, निर्मल कुंड, गिरजा कुंड, विघ्नेश्वर नाथ शिव मंदिर एवं विभीषण कुंड के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास का कार्य किया जाना है।पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के निकट स्थित पर्यटन स्थलों सुग्रीव किला, अशर्फी भवन, छोटी देवकाली, नागेश्वर नाथ मंदिर, श्रेश्वर नाथ मंदिर, मुंडा शिवालय, दन्तधावन कुंड, प्रहलाद कुंड, जानकी कुण्ड, मोनी बाबा आश्रम, कौशल्या घाट, विद्या देवी कुंड, सीता कुंड, दशरथ कुंड के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं का विकास कार्य किया जाना है।इसी प्रकार जनपद अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित पर्यटन स्थलोंध्कुंडों एवं आश्रमों यथा दुधेश्वर कुण्ड (सीताकुंड),महर्षि वामदेव आश्रम, जन्मेजय कुंड, नरकुंड, महर्षि वेद व्यास गेट गौराघाट, महर्षि वामदेव आश्रम व तालाब, त्रिपुरारी कुंड, दशरथ समाधि स्थल, नंदीग्राम भरतकुंड, श्रवण कुमार आश्रम, आस्तिक आश्रम, ऋषि च्यवन आश्रम, मेधा ऋषि आश्रम, बंJ बाबा आश्रम व महर्षि वामदेव आश्रम व तालाब के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास कार्य किया जाना है।जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में दंतधावनकुण्ड, सीताकुण्ड, विद्या देवी कुण्ड, गिरिजा कुण्ड, लक्ष्मी सागर कुण्ड, विभीषण कुण्ड, महर्षि वामदेव कुण्ड व आश्रम, जन्मेजय कुण्ड, दशरथ कुण्ड, दुग्धेश्वर कुण्ड (सीताकुण्ड), नन्दीग्राम भरतकुण्ड आदि पौराणिक स्थलों पर कार्य आरंभ भी हो चुका है।अयोध्या धाम में स्थित सूर्यकुण्ड, हनुमान कुण्ड, स्वर्णखनि कुण्ड एवं गणेश कुंड में कार्य पूर्ण भी हो चुका है, इन स्थलों पर सभा स्थल, छतरी, टायलेट, म्यूरलवाल, घाट एवं प्लेटफार्म, ऑटो वाटर फिल्ट्रेशन, बेंच, डस्टबिन, रैलिंग, साइनिज, लाइटिंग और पेयजल व्यवस्था आदि कार्य किया गया है। इन्ही कुंडों के तर्ज पर अन्य कुंडों को भी संजोने संवारने का कार्य चरणबद्ध रूप में किया जा रहा है।जिलाधिकारी ने उक्त कार्यो की कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर दिलीप कुमार गोंड को उक्त समस्त कार्यो को शासन द्वारा निर्धारित समयावधि माह दिसम्बर 2023 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये।

खाकी वाले गुरुजी के अपना स्कूल में पठन-पाठन सामग्री लेकर पहुँचे जनपद मऊ में नियुक्त दो सिपाही।

अयोध्या। जनपद अयोध्या के जयसिंहपुर वार्ड में खुले आसमान के नीचे वंचित वर्ग के बच्चों के लिए समर्पित खाकी वाले गुरुजी के अपना स्कूल में जनपद मऊ में नियुक्त उत्तर प्रदेश पुलिस के कांस्टेबल विन्द्रेश यादव व कॉन्स्टेबल रंजीत यादव तथा समाजसेवी बृजेश गुप्ता ने पहुँचकर सभी बच्चों में शिक्षण सामग्री तथा सूक्ष्म जलपान का वितरण किया। नवंबर 2021से चल रहे भिक्षावृत्ति से जुड़े बच्चों के अपना स्कूल में पहुँचे दो सिपाही और एक समाजसेवी नवयुवक ने अपना स्कूल के उपस्थित 70 बच्चों में पेंसिल,रबर,कटर,चार कॉपी, स्केल,स्केच कलर,आल इन वन किताब, टूथ ब्रश, टूथ पेस्ट, साबुन नहाने वाला,साबुन कपड़ा धुलने वाला, तेल, तथा बिस्कुट,नमकीन व लड्डू वितरित किया। इस अवसर पर अपना स्कूल के सहयोगी ऋषभ शर्मा , सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव, कांस्टेबल विन्द्रेश यादव, कांस्टेबल रंजीत यादव समाजसेवी बृजेश गुप्ता समेत सभी छात्र छात्राएं मौजूद रही।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।